711

# HD-02

## June - Examination 2017

## B.A. Pt. I Examination

## हिन्दी गद्य भाग–II (कथा साहित्य)

## Paper - HD-02

**Time : 3 Hours ]** **[ Max. Marks :- 100**

**निर्देश :** यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों अ,ब,स में विभक्त है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक है और खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न हैं।

**(खण्ड – अ)** **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) रामधारीसिंह दिनकर के किसी एक प्रसिद्ध गद्य ग्रन्थ का नाम लिखिए।

(ii) प्रेमचद्र के किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(iii) कहानी में पात्र और चरित्र चित्रण का क्या महत्व है?

(iv) 'उसने कहा था' कहानी के दो प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए।

(v) वृन्दावनलाल वर्मा के किन्ही दो ऐतिहासिक उपन्यासों के नाम लिखिए।

(vi) 'पत्नी' कहानी में सुनीता अंगीठी सामने रखी हुई किस चिन्ता में बैठी है?

(vii) 'पुरस्कार' कहानी की मूल संवेदना लिखिए।

(viii) 'चीफ की दावत' कहानी के रचनाकार कौन हैं?

(ix) 'निर्मला' उपन्यास का उद्देश्य संक्षेप में लिखिए।

(x) 'महाभोज' उपन्यास में जिस गाँव का उल्लेख किया गया है? उस गाँव का नाम बताइए।

**(खण्ड – ब)** **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दिजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) पुरानी और नई कहानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

3) 'पूस की रात' कहानी के वातावरण–परिवेश पर प्रकाश डालिए।

4) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''वह अनायास भाव से पति के साथ रह रही है और कभी उनकी राह के बीच में आने की नहीं सोचती। वह एक बात जान चुकी कि उसके पति ने अगर आराम छोड़ दिया है, घर का काम छोड़ दिया, उखड़े–उखड़े, मारे–मारे जो फिरते हों, इसमें वे कुछ भला ही सोचते होंगे। इसी बात को पकड़कर वह आपत्ति–शून्य भाव से पति के साथ विपदा पर विपदा उठाती रही है। पति ने कहा भी है कि तुम मेरे साथ क्यों दुःख उठाती हो, पर सुनकर वह चुप रह गयी है।''

5) 'नीलकान्त का सफर' कहानी की कथावस्तु का चित्रण कीजिए।

6) निम्नलिखित गद्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए

''मातृप्रेम में कठोरता होती थी लेकिन मृदुलता से मिली हुई। इस प्रेम में करुणा थी, पर वह कठोरता न थी, जो आत्मीयता का गुप्त संदेह है। स्वस्थ

अंग की परवाह कौन करते हैं? लेकिन वह अंग जब किसी वेदना से टपकने लगता है तो उसे ठेस और धक्के से बचाने का यत्न किया जाता है। बालक का करुण रोदन निर्मला को उसके अनाथ होने की सूचना दे रहा था।

7) ''निर्मला एक चरित्र प्रधान उपन्यास है।'' इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

8) 'महाभोज' उपन्यास की समसामयिकता पर विचार कीजिए।

9) 'वापसी' कहानी मे मध्यवर्गीय समाज किस प्रकार अभिव्यक्त हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

**(खण्ड – स)** **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) ''नीलकान्त का सफर' हमारे देश की सामाजिक विषमताओं और सुविधाभोगी मनोवृत्तियों पर प्रहार करनेवाली कहानी है।'' इस कथन का विवेचन कीजिए।

11) 'महाभोज' उपन्यास में अभिव्यक्त विद्रूपताओं का विश्लेषण कीजिए।

12) 'कहानी के उद्‌भव और विकास' पर एक लेख लिखिए।

13) टिप्पणी कीजिए।
   (i) आंचलिक उपन्यास
   (ii) सामाजिक उपन्यास
   (iii) सांस्कृतिक उपन्यास
   (iv) मनोवैज्ञानिक उपन्यास